This question paper contains 3 printed pages.]

7744 *आपका अनुक्रमांक* .....

M.A. (एम.ए.) / I **A**

HINDI (हिन्दी) – Course 4

(Adhunik Kavita : Chhayavad Tak)

(आधुनिक कविता : छायावाद तक)

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 50*

(इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

नोट : *प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक एम.ए. हिन्दी परीक्षा के वर्ग 'ब' (स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग एवं नॉन-फॉर्मल सैल आदि) के परीक्षार्थियों के लिए मान्य है। वर्ग 'अ' (नियमित पूर्व विद्यार्थियों) के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षाफल तैयार करते समय किया जाएगा।*

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) खुले केश अशेष शोभा भर रहे
पृष्ठ-ग्रीवा-बाहु-उर पर तर रहे;

बादलों में घिर अपर दिनकर रहे,

ज्योति की तन्वी, तड़ित-

द्युति ने क्षमा माँगी।

अथवा

अश्रु से मधु कण लुटाता आ यहाँ मधुमास;

अश्रु ही की हार बन आती करुण बरसात!

जीवन विरह का जलजात!

(ख) कर रहा वंचित कहीं न त्याग तुझे मन में धर सुन्दर वेश।

दुःख से डर कर तुम अज्ञात जटिलताओं का कर अनुमान

काम से झिझक रहे हो आज भविष्यत् से बनकर अनजान।

अथवा

सीस हिलाकर दीपक कहता -

'बन्धु!' वृथा ही तू क्यों दहता?

पर पतंग पड़ कर ही रहता।

कितनी विह्वलता है

दोनों ओर प्रेम पलता है।

7,7

2. 'साकेत' के नवम् सर्ग में व्यक्त नई स्त्री की छवि का उद्घाटन कीजिए।

अथवा 12

महादेवी वर्मा की रहस्य भावना की विशेषता पर प्रकाश डालिए।

3. 'कामायनी' में व्याप्त आधुनिक चेतना का विश्लेषण कीजिए।

अथवा 12

'श्रद्धा' की चरित्रगत विशिष्टता पर प्रकाश डालिए।

4. निराला की कविताओं में अभिव्यक्त निजता का उद्‌घाटन कीजिए।

अथवा 12

'राम की शक्ति पूजा' कविता के औदात्य का विवेचन कीजिए।